

सैफ नं ३५

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन महाल घुळे.

—: हस्तलिखित तंत्र संग्रह:—

ग्रंथ क्रमांक ८१० (४५८)

ग्रंथ नाम पाता नीचरवर

विषय मोगव्य



A circular watermark in the center of the card contains a portrait of a man's head and shoulders, facing slightly to the right. Below the portrait, the number '८१०' is written in large digits, with '(४५८)' written to its right. At the bottom of the circle is a small emblem or logo.

The watermark also contains the text "The Rajawade Sanshodha Mandal, Dhule and the Rashtriya Chavhan Pratishthan Mumbai" and "Joint Project of the two Institutes".

①

गुरु नानक द्वारा लिखी गई अनेक शब्दों की विस्तृत व्याख्या

प्रोफेसर आर्थर ब्रॉडबेंड द्वारा लिखी गई व्याख्या

मिस्टर एडवर्ड ग्रैम्पल के द्वारा लिखी गई व्याख्या

द्वितीय भाग की व्याख्या

राजवाडे संशोधन मंडल, धुले और राश्वन्तरा की व्याख्या

मिस्टर एडवर्ड ग्रैम्पल के द्वारा लिखी गई व्याख्या

द्वितीय भाग की व्याख्या

राजवाडे संशोधन मंडल, धुले और राश्वन्तरा की व्याख्या

द्वितीय भाग की व्याख्या

द्वितीय भाग की व्याख्या

द्वितीय भाग की व्याख्या

द्वितीय भाग की व्याख्या



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Rashwantrao Chavhan Pratishthan Mumbai."

(2)

2

સાહેબજી મારિનું કાઢુલું કોઈ ગાત્ર નથી

ગોવાનું કાઢુલું કોઈ ગાત્ર નથી

સુદુર્ભાગું અહે એહે એહે એહે એહે

ચુકાણું રાણું કાઢલા કાંઠે કાંઠે કાંઠે

ચરાયણું પાંચ સાંચું જાડું જાડું જાડું

છોરાણું બાંધ ચાંદની જગતીના જગતીના

મહેશું જાડું જાડું

A circular portrait of a man with a mustache, wearing a white turban and a dark shirt. The portrait is set against a yellow background with handwritten text around it.

ચીંઘાણાં પદે રોડે રોડે

લોગીયાં બધી કોણ જાણ દ્વારા પ્રદાન કરી

નાનું વિશે કાઢુલું કાઢુલું

કુછ કાઢુલું કાઢુલું

લાંબા કાઢુલું કાઢુલું

યાંદું કાઢુલું કાઢુલું

3

~~विद्युत्प्रभावान्तरालं वृद्धिकार्याभिनन्दनाग्रन्थे विष्णुप्रभा~~

~~ଦୁଇମାତ୍ରାନ୍ତିକ ପାଦାନ୍ତରରେ ଯାଏଇବେଳେ କାହାରିବାପାଇଁ~~

~~दीक्षा उपाधि का दिन परिवर्तन करने का दिन~~

~~ପ୍ରମାଣିତ କାହାର କାହାର କାହାର~~

मुहरियां घोड़ी-चालना जैसे कृतियों के दरमान-



२०४८ अप्रैल १९८५ पांच बजे रात्रि २०४८
John & Sons Ltd.
"Mumbai".

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନରେ ଉପରେ

ପ୍ରାଚୀନ ଶାସକଙ୍କୁ ଜଣିବାରେ କିମ୍ବା ତୁ ଯେବେ

~~ରାଜ୍ୟକାନ୍ତିମାନଙ୍କାରିକୁ ଲେଖିବାକାମରେଣ୍ଡି~~

କ୍ରିଷ୍ଣାରୁଦ୍ଧିରେତ୍ତାକିମ୍ବନ୍ଦାରୀରେମୁହାତିକିମ୍ବନ୍ଦାରୀ

ନାମକରଣ ପାଇଁ ଜାଗନ୍ନାଥଙ୍କ ମହାମାତ୍ର

~~सीधी नक्काशियाँ बिल्डिंग वाम पक्षी गठन समरेण्ट~~

(4)

४

मुनि लक्षणां दिग्भासायेष्व उत्तमा महोदय

सुविराजन्ते द्वापरायान् शृङ्खलायाः

शिरोधाम्बृजलं शुभं अस्ति विद्युतः

रत्नाकराण्यज्ञानान् परिषेहितो दरायतः

ग्रामिणिकृत्याग्निमुखामवर्धनात्म

चृष्टानां द्वय लक्ष्मी देवतामवेषण

मुद्रामित्यर्थ द्वयार्थेऽपि च इति

याम्नु उम्भात्तेऽपि जग्निमित्याद्य

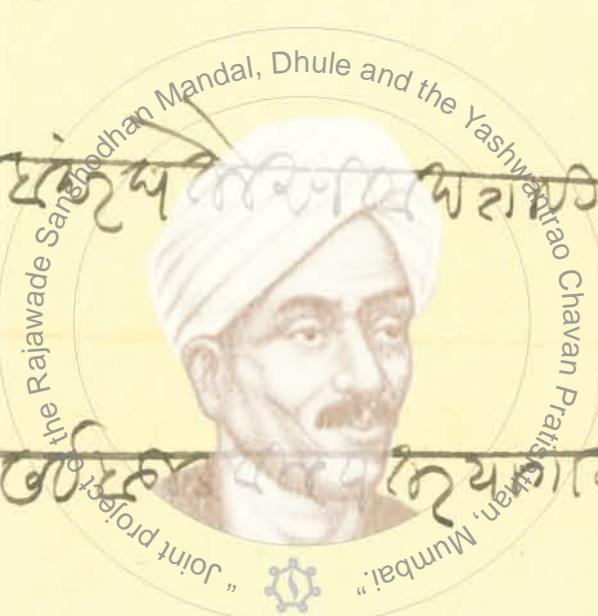
ब्रह्मज्ञानामात्मेऽपि त्रितीयाद्य

ब्रह्ममूर्तिप्रदेवाद्य विवेदाद्य

द्वाष्टामाप्तिर्वेदी विकापाद्य

ग्रन्थाद्याद्य विवेदाद्य

कामेद्याद्य विवेदाद्य



the Rajawade Sangrahan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai
“Joint Project”

5

ମେଲାକୁ ଅନ୍ତରୀମା କୁଳାଳକାଳୀ ଦିଲ୍ଲୀରେ

~~ଶ୍ରୀମତୀ ପାତ୍ନୀ ଦେବାଲ୍ମୀକି~~

~~द्वितीय अवधि का दृष्टिकोण से इसका अर्थ है कि यह विषय एक विशेष रूप से विभिन्न विभिन्न विषयों का एक समूह है।~~

~~ଶ୍ରୀକୃତିମବନାରାଧିପତିନାମଚାର୍ଯ୍ୟ~~

~~କେତେ ବ୍ୟାପାର କରିବାକୁ ଜୀବନରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା~~

~~Chandan Mandal, Dhule and the Yasvi~~



କାନ୍ତିମାଳା ପାତାଙ୍ଗ ପାତାଙ୍ଗ ପାତାଙ୍ଗ

~~କୁଳାଳୀର୍ବନ୍ଦ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଜୋଗାଇଲା~~

କରୁଣାବିଜ୍ଞାନିକାରୀ ପାଠ୍ୟମାଲା

~~कृष्ण द्वारा लिखा गया अंग्रेजी लेख~~

Digitized by srujanika@gmail.com

~~do not do~~ ~~do not do~~ ~~do not do~~ ~~do not do~~

(6)

२

द्वारकात्मिक पुस्तकालय निषेद्ध संस्कारण द्वारा प्रकाशित

कमीत्रियोगे दर्शन करने वाली दिग्भास्त्रांकित

द्वारकात्मिक पुस्तकालय निषेद्ध संस्कारण द्वारा प्रकाशित

द्वारकात्मिक पुस्तकालय निषेद्ध संस्कारण द्वारा प्रकाशित

द्वारकात्मिक पुस्तकालय निषेद्ध संस्कारण द्वारा प्रकाशित

प्रोडक्शन द्वारा प्रकाशित



of the Rajawade Sansodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pralsishanak, Mumbai.

द्वारकात्मिक पुस्तकालय निषेद्ध संस्कारण द्वारा प्रकाशित

(*)

६

सामुद्रजित्यास्तर्वान्वेष्यते विद्युत्

प्राप्तिरुद्धारामित्यान्वेष्यते विद्युत्

महान्तेऽनुष्ठानकालिष्टं विद्युत्

उमिम्पुण्डामित्यान्वेष्यते विद्युत्

दृष्टिरुद्धारामित्यान्वेष्यते विद्युत्

युवा च विद्युत्

कृत्यान्वेष्यते विद्युत्

राजावाचार्यान्वेष्यते विद्युत्

मात्रांश्चाचार्यान्वेष्यते विद्युत्

प्राप्तिरुद्धारामित्यान्वेष्यते विद्युत्

प्राप्तिरुद्धारामित्यान्वेष्यते विद्युत्

प्राप्तिरुद्धारामित्यान्वेष्यते विद्युत्

प्राप्तिरुद्धारामित्यान्वेष्यते विद्युत्



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pralishthana Mumbai"

(8)

८

द्विदिव्यादिव्येन्द्राचग्निः अम्बिपवाष्टु धतोऽपि

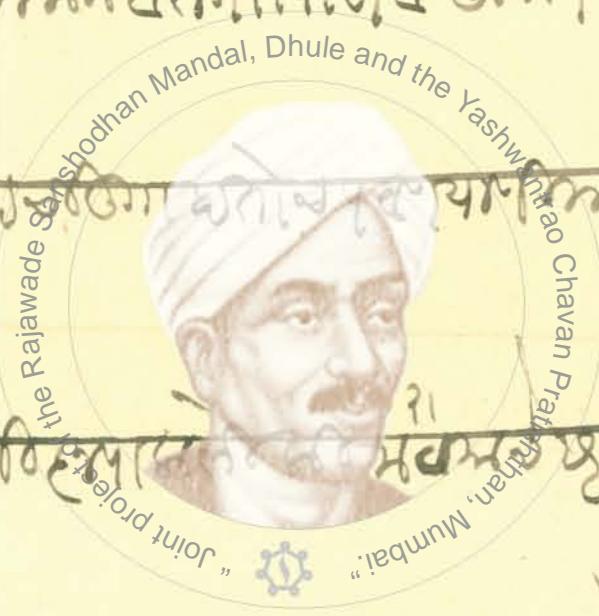
द्विदिव्यादिव्येन्द्राचग्निः अम्बिपवाष्टु धतोऽपि

सर्वमन्तर्यामेष्टु अम्बिपवाष्टु धतोऽपि

द्विदिव्यादिव्येन्द्राचग्निः अम्बिपवाष्टु धतोऽपि

सर्वमन्तर्यामेष्टु अम्बिपवाष्टु धतोऽपि

द्विदिव्यादिव्येन्द्राचग्निः अम्बिपवाष्टु धतोऽपि



(9)

१

पात्रकाम्यादिवर्णोदयालग्निप्रवाहारा

प्रत्येकास्त्रादिवर्णोदयालग्निप्रवाहारा



The Rajawade Sanghodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai.

"Joint Project of the Rajawade Sanghodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai."

(10)

१०

द्वारा देश के लिए जीवन को देता है यह गोकुल
मध्यम संग्रहालय द्वारा नियमित बहुत अच्छा काम
किया जाता है इसके लिए बहुत धन का खर्च
एवं उपलब्धि का लिया जाता है यह गोकुल
मध्यम संग्रहालय द्वारा नियमित बहुत अच्छा काम
द्वारा देश के लिए जीवन को देता है यह गोकुल
पर्यटक संग्रहालय द्वारा नियमित बहुत अच्छा काम
जीवन के लिए जीवन के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के
द्वारा देश के लिए जीवन के लिए जीवन के



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai

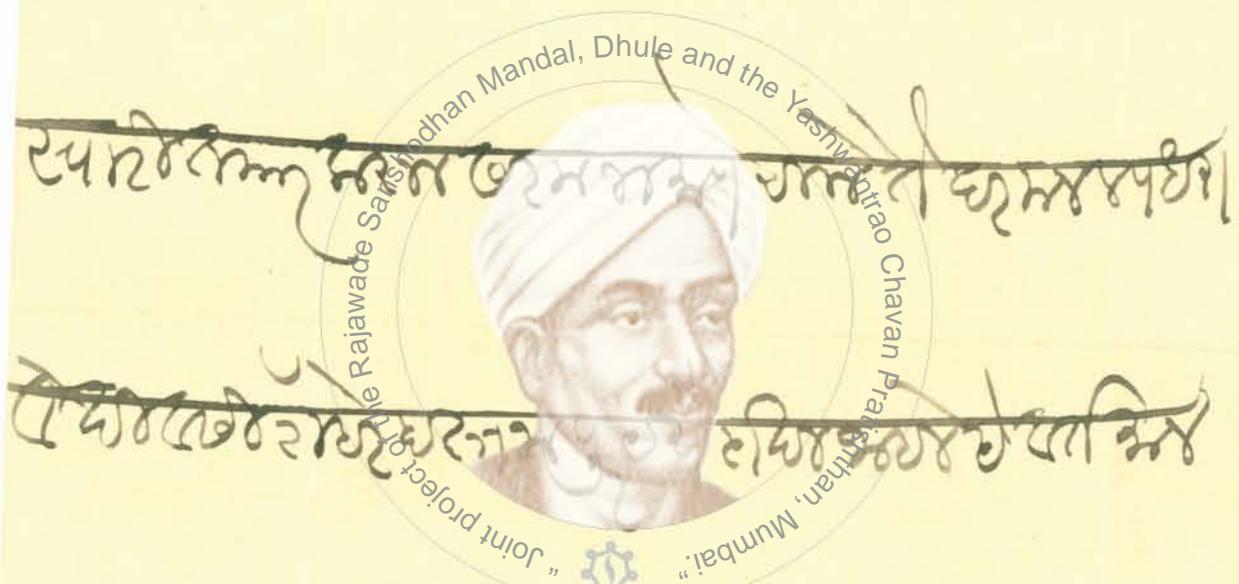
दावां द्युषिता को उम्मीद नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक बोल्ड

ग्रन्थों की विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक

उच्चारण में अपने अनुभवों को विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि

वह अपने अनुभवों की विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक

प्रयोगों की विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक



प्रयोगों की विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक

योग्यता की विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक

हर कठोर प्रश्न को उत्तीर्ण करने की विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि

वह अपने लिए आवश्यक विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक

एवं अपने लिए आवश्यक विशेषज्ञता नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक

उनमें से कोई उम्मीद नहीं रखता जब तक कि वह अपने लिए आवश्यक

(12)

१२

रुपरेखाचतुष्प्रकाशिणीमात्रामात्रामात्रामात्रा



The Rajawade Sanskrut Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Prasanthan, Mumbai



(13)

६३

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि



द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

द्वारा देवता के लिए अपनी जीवन की शुभ विधि

14

१२

କେବେଳ ମିଥ୍ୟାତ୍ମକ ରାଜାମହାନ୍ତିଷ୍ଠା

राज्यकालेनामवृत्तिरेक्षयम् ग्रन्थाम्

ମୁଖ୍ୟାନ୍ତରିକାରୀ ହେଉଥିଲା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

એક નાના જરૂર માટે કોઈ સાધન ન હોતું ગા

~~ରାଜୁଙ୍କ ପିଲାହ ଉଦୟମରେ ପରିଷକ୍ତ~~



anshochan Mandal, Dhule and the

Wantrao Chavan Pratishtha

"Joint D"

6

~~मालार्याच्या विकासातील~~

न देवं न देवं न देवं न देवं न देवं न देवं न देवं

କୁର୍ମାବିନ୍ଦୁରୁଦ୍ଧିଜାମହାତମୀଶାଖା

କୋରିବାରେ ଦ୍ୱାରା ପରିଚୟ କରାଯାଇଥିଲା

~~ଚାରିକାଳୀନାମିଶ୍ରମିତାମଧ୍ୟାବ୍ଦୀ~~

କାନ୍ତିକାଳୀ ଅରାଜ-ପ୍ରଦେଶ-ପ୍ରୟାମଳୀ

~~ठोसगरीभेदमेप्रपत्तागाइतिप्रदेफीवरेयतज्ज्ञानम्~~

અનુભૂતિની વિશ્વાસી હોય

ମୁହାଲିମରାମାରନିଜମଳାମହାଯମ୍ବରାଦ୍ୟକୋର୍କୁ ଶିଳ୍ପିତାରୀ

~~ये द्युर्लभ एवं वर्णनात् जीवितो यतो दृष्टिरूपानि~~

~~કોણ કરાની માઝ હાયુનો જાત્તે અધ્યાત્મ~~

ବ୍ୟାକ୍ୟାଇନ୍ଦ୍ରମେପଦେଶେଛିଷ୍ଠର୍ଥିତିଗ୍ରହଣୀରୁକ୍ତିଜ୍ଞାତିରୁ



पांडिलमवृत्तदृमाणान्तरालिति उभयं अनुष्ठानादेव

२४५ पुणे लिपि रचित महाभास्त्रो ज्ञानुष्ठान विषयात्

~~દ્વારા એવા જીવન મય લાભ કરું જાઓ કોમરા~~

~~किंतु यहाँ विषय का अध्ययन करने की जिम्मेदारी उम्मीदवालों के बीच वितरित की जाएगी।~~

पूर्विक्यादम्भोभाग्निक्षेपे निरुक्तिर्वापाचरत्वित्वा

କୁର୍ରାମ୍ବିନୀ ପାଇଁ ଏହାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

रुद्रोद्धार द्वारा यावत्के यात्रा जगत्कालमें उन्नेसी

दिग्भाष्टे पृष्ठी वाहने के बहुत अधिक दूरी

प्रवासी विलास मात्रा नियंत्रण करने की चाही

होकर तो ममाहे एवं गोलाकार विद्युत विद्युत

उत्तोषे भैरव जीवने के अवकाश विद्युत

उत्तोष राजवाडे संशोधन मंडल, धुले और यशवंती मंडल का गठन

व्यापार विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत

विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत



~~କୁଣ୍ଡଳେ ପିଲାଙ୍କର ମନ୍ଦିରରେ ଯାଏନ୍ତି କିମ୍ବା କାହାରେ ଯାଏନ୍ତି~~

~~मुलिका का उपयोग विभिन्न रूपों में जरूरी है।~~

କୁରୁତେବେଳେ ଅଗନିହମୀ କୁରୁତେବେଳେ

३८-
द्विनाशकमध्याद्यजित्तेलोप्यग्नेनकृता-

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ

~~कुमारीजगतमविद्यालयात्तु विजयवर्ग ग्रन्थालयात्तु नाम~~

सापुरोग्यामुद्दिग्निर्विकल्पविभूतिरित्यासामन्त्रा

संग्रहालय, गुरुग्राम
Guru Nanak Dev University, Gurdaspur
Sri Guru Granth Sahib Library, Gurdaspur



मृतमज्ञेष्यते न तिष्ठते इन्द्रियानि विश्वामी

~~શ્રીરામાનંદજીના જીવનિકા અને જીવની કાળી~~

~~मुक्तिकारित्वमतादतेऽनुशिष्टज्ञापैक्षियसमये~~

देविताति द्विगुणोऽन्नो जाग्र भवति इह प्रकृति धूमिरी।

३५८ श्रीकृष्णसंकलनीकान्तवराहु खस्यमेव न भवति यदा

દ્વારા એવી નુકસાનો હતું કૃપા કરો।

~~ପ୍ରମାଣ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହାତରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଭାବରେ ଯାଇଲେ ହାତରେ~~

~~କୁମାରନ୍ତିଷ୍ଠିତ ପଦେ ଉଚ୍ଚତା କମାଲରୀ କାହାକୁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା~~

यश्चिरेन्नतान्नम्नाति दीप्ताय वर्णिष्ठं त्रा अस्तु न तारयने

उत्तमुपास्य पूर्विकेन देवता अस्त्राभ्युक्तं भ्रम्भेत् तात्रिष्ठीनिर्विम्ब

~~क्रियोरामनीगोद्देशलिहिनिहोरियितामन्त्राकेगत्वे~~

~~द्वितीय दृश्यांक देश के अधिकारी ने इस दृश्यांक का लिखा है।~~

मृत्युन्नरीया उद्देश्य धारणा विद्युत्तमो गुरुत्वपूर्वक तत्त्वज्ञान

A portrait of a man with a mustache, framed by a decorative border containing handwritten text in Devanagari script.



70000

2000

१०८८-१०९५ विनायक चतुर्दशी शुभवर्षी

କରିବାକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିବାକୁ ଦେଖିଲାମାହିଁ

ପ୍ରମାଣିତ ହେବାକୁ ପରିବାରର ଦ୍ୱାରା ନିର୍ଦ୍ଦେଖ କରାଯାଇଛି

ତରାଧିକ ୨୨୦୦ ପରିମଳା ହେଉଥିଲେ ପରିଦର୍ଶକ ୧୦୦୦ ଫୋର୍ମ୍

~~ଶ୍ରୀନାଥମହାଦେବାଳ୍ମୀକୀ ପ୍ରେସ୍ ୨୦୦୦ ରାଜତ୍ରେଣାମ୍ବାଦ୍ଵାରା ପ୍ରକାଶିତ~~

~~कर्त्तव्य अनुसारी दृष्टिकोण से कोई विवरण नहीं प्राप्त होता~~

~~દૃઢાધીતપાસેનું મર્ગેનું લાયાયે હજીણું ફોન્ટાની~~

टीकाकृष्णनाथ देव त्रिपुरा द्वारा प्रस्तुत
३०००००



१० अमरुष्मित्युपासना श्री अनंद गुरुजी द्वारा

୪୭୫ତିକାରି ମାନ୍ୟନାନ୍ଦ ଜମାଇଲୁହ ରାଜାଶେଷତଳ

ମୁଖ୍ୟବିନ୍ଦୁରାହୁଲେପ୍ରତୀକ୍ଷଣଗୁରୁଶାଶ୍ଵତବିଜ୍ଞାନୋ

१४५८ अद्यतन्त्र विद्या विद्यार्थी उपर्युक्त विद्यालयों में अध्ययन करते हैं।

स्त्रीमिति अस्त्रिया न पाद्यते वास्त्रं वास्त्रं वास्त्रं वास्त्रं वास्त्रं वास्त्रं वास्त्रं



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com